देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 20.05.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी का आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बस्तर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद् की बैठक में मां नंदा राजजात यात्रा और कुंभ मेले की तैयारियों का विषय प्रमुखता से उठाया।
- राज्य सरकार ने जिला योजना के तहत सभी 13 जिलों के लिए एक हजार 18 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की।
- उत्तराखंड में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति सामान्य, आईओसीएल ने अफवाहों से बचने की अपील की।

पूर्व मुख्यमंत्री खंडूड़ी

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूड़ी का अंतिम संस्कार आज हरिद्वार में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। उनके निधन पर राज्य सरकार ने आज सार्वजनिक अवकाश और तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया है।

मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी का जीवन किसी एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण की जीवंत गाथा रहा। 1 अक्टूबर 1934 को प्रारम्भ हुई उनकी जीवन यात्रा भारतीय सेना के रणक्षेत्रों से लेकर लोकतंत्र के सर्वोच्च मंचों और उत्तराखंड की जनसेवा तक पहुँची, लेकिन हर भूमिका में उनकी पहचान एक ही रही– राष्ट्र प्रथम।

1954 में भारतीय सेना की कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स में कमीशन प्राप्त करने के साथ उन्होंने मातृभूमि की सेवा का जो संकल्प लिया, उसे जीवन भर निभाया। उन्होंने 1962 के भारत–चीन युद्ध, 1965 और 1971 के भारत–पाक युद्धों में देश के लिए अपना कर्तव्य निभाया। सीमाओं पर बिताए वे वर्ष केवल एक सैनिक के साहस की कहानी नहीं थे, बल्कि उन अनगिनत त्यागों की भी कहानी थे जो एक सैनिक का परिवार मौन रहकर करता है।

सेना में लगभग छत्तीस वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा के दौरान उन्होंने नेतृत्व, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की ऐसी मिसाल स्थापित की कि 26 जनवरी 1982 को उन्हें अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया।

मेजर जनरल के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्होंने विश्राम का मार्ग नहीं चुना। 1991 में सार्वजनिक जीवन में प्रवेश कर उन्होंने जनसेवा को अपना नया दायित्व बनाया।

खंडूड़ी पहली बार 1991 में गढ़वाल लोकसभा सीट से सांसद चुने गए। इसके बाद वह कई बार संसद पहुंचे और भाजपा के मजबूत पहाड़ी चेहरे बनकर उभरे। केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में उन्हें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का दायित्व मिला। यही वह दौर था जब देश में सड़क क्रांति की नींव रखी गई।

देश के दूरस्थ गांवों को सड़क से जोड़ने के पीछे खंडूड़ी की प्रशासनिक दृष्टि और सख्ती को आज भी याद किया जाता है।

2007 में उत्तराखंड में भाजपा की सरकार बनने के बाद भुवन चंद्र खंडूड़ी पहली बार मुख्यमंत्री बने। उनका कार्यकाल जीरो टॉलरेंस और सख्त प्रशासन के लिए जाना गया। भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी छवि इतनी मजबूत थी कि सरकारी मशीनरी तक में उनका नाम अनुशासन के प्रतीक के रूप में लिया जाता था।

हालांकि उनकी सख्ती कई नेताओं और विधायकों को असहज भी करती रही। 2009 लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया, लेकिन पार्टी ने 2011 में फिर उन पर भरोसा जताया और दूसरी बार उन्हें मुख्यमंत्री बनाया।

भुवन चंद्र खंडूड़ी सिर्फ नेता नहीं, बल्कि एक ऐसी राजनीतिक शैली का नाम थे जिसमें सादगी, ईमानदारी और प्रशासनिक दृढ़ता साथ दिखाई देती थी। उत्तराखंड राज्य निर्माण के बाद की राजनीति में उनकी भूमिका हमेशा निर्णायक मानी जाएगी। उनके निधन के साथ उत्तराखंड ने एक ऐसा जननेता खो दिया, जिसकी पहचान सत्ता से ज्यादा सिद्धांतों और अनुशासन से थी। मजबूत लोकायुक्त कानून, प्रशासनिक सुधार और जनहित को सर्वोच्च रखने का उनका आग्रह सदैव याद रखा जाएगा।

मध्य क्षेत्रीय परिषद् बैठक

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ के बस्तर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद् की 26वीं बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहभागिता की। बैठक में राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने, आधारभूत संरचना के विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विचार–विमर्श किया गया।

बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने वर्ष 2027 में उत्तराखंड में आयोजित होने वाली विश्व प्रसिद्ध मां नंदा राजजात यात्रा और कुंभ मेले की तैयारियों का विषय भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि ये आयोजन देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से जुड़े महत्वपूर्ण अवसर हैं, जिनके सफल संचालन के लिए केंद्र और राज्यों के समन्वित सहयोग की आवश्यकता होगी।

मुख्यमंत्री ने सीमावर्ती राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाने, साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, आपदा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा तकनीकी संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए राज्यों के बीच सूचनाओं के आदान–प्रदान और संयुक्त प्रयासों को और मजबूत बनाया जाना आवश्यक है।

वित्तीय स्वीकृति

राज्य सरकार ने जिला योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए प्रदेश के सभी 13 जिलों को विकास कार्यों के लिए कुल एक हजार 18 करोड़ 20 लाख 60 हजार रुपये की धनराशि आवंटित की है। यह राशि जिलों की आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित की गई है।

आवंटित धनराशि में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत 200 करोड़ 22 लाख 10 हजार रुपये, अनुसूचित जनजाति उपयोजना के लिए 30 करोड़ 7 लाख रुपये तथा सामान्य मद में 787 करोड़ 97 लाख 80 हजार रुपये शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस धनराशि से जिला योजना के माध्यम से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य जनोपयोगी

योजनाओं को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संतुलित और समावेशी क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

निर्बाध आपूर्ति

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद उत्तराखंड में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति जारी है।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के राज्य स्तरीय समन्वयक कृष्ण कुमार गुप्ता ने कहा कि तेल उद्योग अपने व्यापक आपूर्ति नेटवर्क के माध्यम से ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि टर्मिनल, डिपो, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट और रिटेल आउटलेट के जरिए राज्यभर में आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। सभी पेट्रोल पंपों पर ईंधन वितरण बिना किसी प्रतिबंध के निर्धारित सुरक्षा और परिचालन मानकों के अनुरूप किया जा रहा है।

घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी की आपूर्ति भी सामान्य रूप से जारी है तथा राज्यभर में वितरण व्यवस्था सुचारू बनी हुई है।

आईओसीएल ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से ईंधन की खरीद या संग्रहण से बचें। साथ ही ईंधन उपलब्धता से जुड़ी सही और प्रमाणित जानकारी के लिए केवल तेल विपणन कंपनियों के आधिकारिक संचार माध्यमों पर ही विश्वास करें।

मौसम

प्रदेश में गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने हरिद्वार, देहरादून और उत्तरकाशी के आसपास के क्षेत्रों में आज और कल कहीं–कहीं लू चलने की संभावना जताई है। इस बीच, राजधानी देहरादून में कल आज अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिनों में अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। मैदानी जिलों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क बना रहेगा।

वहीं उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं–कहीं हल्की बारिश और गरज–चमक की संभावना है। इन क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और आकाशीय बिजली चमकने का भी अनुमान है।

मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय तेज धूप से बचने और पर्वतीय क्षेत्रों में खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है।

चारधाम यात्रा

प्रदेश में चारधाम यात्रा पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ जारी है। राज्य सरकार और पर्यटन विभाग के अनुसार अब तक 16 लाख 50 हजार से अधिक श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से यात्रा मार्गों और धामों में निरंतर रौनक बनी हुई है।

यमुनोत्री धाम में 2 लाख 78 हजार, गंगोत्री धाम में 2 लाख 77 हजार, बदरीनाथ धाम में 4 लाख 28 हजार और केदारनाथ धाम में 6 लाख 65 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि अब तक कुल 37 लाख 28 हजार 571 श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण कराया है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन व्यवस्था के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वीआईपी दर्शन पर रोक लगाई गई है ताकि आम श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन मिल सकें। यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य, परिवहन, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी मजबूत किया गया है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा करें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें।

‘हिल हेरिटेज’ राज्य अतिथि गृह

कुमाऊं मंडल के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले बागेश्वर जिले को जल्द ही एक अत्याधुनिक राज्य अतिथि गृह की सौगात मिलने जा रही है। राज्य सम्पत्ति विभाग ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को प्रशासनिक आवश्यकताओं के साथ ही पर्यटन और स्थानीय सांस्कृतिक पहचान से भी जोड़ने का निर्णय लिया है।

लगभग 17 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से 45 नाली भूमि पर प्रस्तावित इस अतिथि गृह को उत्तराखंड की पारंपरिक पहाड़ी वास्तुकला के अनुरूप विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया।

आवास और राज्य सम्पत्ति सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने देहरादून में आयोजित बैठक में कहा कि भवन का स्वरूप पर्यावरण के अनुकूल हो तथा उसमें स्थानीय स्थापत्य कला की झलक दिखाई दे।

विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य अतिथि गृह के निर्माण से बागेश्वर में प्रशासनिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। साथ ही जिले में आने वाले विशिष्ट अतिथियों, अधिकारियों और पर्यटकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इससे स्थानीय पर्यटन, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

और अब एक नज़र समाचार पत्रों की सुर्खियों पर——

पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी के निधन की ख़बर आज सभी समाचार पत्रों की सुर्खियों में है। अमर उजाला लिखता है– लंबी बीमारी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल खंडूड़ी का निधन; अंतिम दर्शन आज होंगे। इसी ख़बर पर दैनिक जागरण की सुर्खी है– चला गया सरहद और सियासत का सच्चा सिपाही, आज हरिद्वार में होगी अंत्येष्टि।

हरिद्वार में दो बाघों को जहरीला पदार्थ देकर मारने की घटना भी लगभग सभी समाचार पत्रों में प्रमुखता के साथ प्रकाशित की गई है। हिंदुस्तान समाचार पत्र के अनुसार इस घटना के संबंध में वन विभाग ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन अन्य आरोपी फरार हैं।

एक अन्य ख़बर पर हिंदुस्तान समाचार पत्र लिखता है– उपनल कर्मियों को पक्का करने के लिए सरकार ने उच्च न्यायालय से फिर समय मांगा है।

अर्थजगत की ख़बरों के साथ दैनिक जागरण लिखता है– मैन्यूफैक्चरिंग बढ़ाकर विदेशी मुद्रा बचाएगी सरकार।